दैनिक जागरण
(07.01.2015)

थाने में युवक ने गले में मारी ब्लेड

आष्टा। सिद्धीगंज थाने में रात को देवकरण ने गले में ब्लेड मारकर घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार 5 जनवरी की शाम को अमरपुरा निवासी देवकरण सिंह को थाना सिद्धीगंज बुलाया गया था, जहां पर उसके भाई लखन के संबंध में पूछताछ की जा रही थी। रात्रि को सर्दी अधिक होने से थाना प्रांगण में अलाव जल रहा था, जहां पर पुलिस और पूछताछ के लिए बुलाए गए देवकरण आग ताप रहे थे। इसी बीच देवकरण ने ब्लेड से अपने गले पर प्रहार किया। देवकरण द्वारा ब्लेड से गले पर किए गए वार के कारण वह घायल हो गया। इसके बाद देवकरण का शासकीय चिकित्सालय में उपचार कराया गया। पुलिस ने देवकरण के विरुद्ध आत्महत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है।

पत्रिका
(07-01-2015)

अमानवीय व्यवहार ◆ सतना में दृष्टिबाधित बच्चों की बेदम पिटाई और ग्वालियर के नशामुक्ति केंद्र में बच्चों को करते थे थर्ड डिग्री टॉर्चर

दृष्टिहीन बच्चों की लाठियों से कर दी पिटाई

ना
bhopal@patrika.com

क्टर बंगला के सामने चाइल्ड स्पेशल नीड (सीडब्ल्यूसीएन) वास में मंगलवार को दृष्टिहीन ों की लाठियों से पिटाई की गई। ातजदा बच्चे पूछने के बावजूद कत छिपाते रहे हैं, लेकिन वास के ही कुछ बच्चों ने जब से बताया तो रोंगटे खड़े हो गए। वास के प्रभारी अधीक्षक दिनेश री को बुलाया गया तो उन्होंने ों को अस्पताल भेजने की स्था करते हुए कर्मचारियों को कार लगाई।

छात्रावास में विशेष शिक्षक विजय कुमार मिश्रा मौजूद थे। नेत्रहीन विजय ने बताया, दिलीप मिश्रा, साहब लाल दाहिया और लक्खी साकेत सोमवार को हाई स्कूल में पढ़ने के लिए दोपहर 12 बजे गए थे। वहां से बाथरूम जाने के बहाने तीनों कक्षा से बाहर आए और भाग निकले। ओवरब्रिज के पास से यात्री वाहन में सवार होकर लक्खी अपने गांव के लिए रवाना हो गया और साहब लाल के साथ दिलीप उसके घर भरजुना चला गया। छात्रावास स्टॉफ ने बच्चों के घर से जानकारी ली तो तीनों के परिजनों ने उनके घर में होने की सूचना दी। इस पर रामलाल पटेल भरजुना से साहब लाल और दिलीप को वापस ले आया।

डंडे से बेदम पीटा

जब बच्चों का डर खुला तो साहब लाल ने सच्चाई बताना शुरू कर दिया। उसने अपने कपड़े उतारकर पीठ दिखाई। पीठ पर लाठियों के निशान बयां कर रहे थे कि उसे कितनी बेदर्दी से मारा गया होगा। कुछ देर बाद छात्रों के बीच छिपा बैठा दिलीप भी सामने आया। उसने भी अपनी पीठ दिखाई। दिलीप को और भी क्रूरता से लाठियों की मार दी गई थी।

मैंने बच्चों का इलाज कराने के बाद डीपीसी को सूचना दी है। डीपीसी व एपीसी छात्रावास आए थे, उन्होंने कर्मचारी के बयान लिए हैं। अब कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर की जाएगी।

दिनेश तिवारी, प्रभारी अधीक्षक छात्रावास

कपड़े उतरवाकर गर्म ईंटों पर बिठाते थे

ग्वालियर. नशा छुड़ाने के नाम पर मासूम बच्चों, किशोरों सहित बड़े लोगों पर थ डिग्री टॉर्चर किए जाने का मामला सामने आया है। यह नशामुक्ति केंद्र रिवर फाउंडेशन संस्था सत्यदेव नगर में किराए के मकान में संचालित करती थी। मामल सामने आते ही संचालक फरार हो गया। मकान मालिक की सजगता से संचाल आशीष शर्मा और उसकी पत्नी अर्चना शर्मा का घिनौना चेहरा सामने आया।जानक के मुताबिक 16-ए सत्यदेव नगर में प्रेमसिंह राठौर के मकान में किराए से रहने व धौलपुर निवासी आशीष शर्मा ने नशामुक्ति केन्द्र खोला था। इसमें 15 वर्ष से लेक 60 साल तक के लोगों को भर्ती किया जाता था। नशा छुड़ाने के नाम पर इनसे मारपी के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता था। केन्द्र में भर्ती बबलू शाक्यवार ने बता कि सिलेंडरों से बांधकर पिटाई की जाती थी। वहीं, गर्म ईंट पर नग्न अवस्था में बैठ जाता था। उसने बताया कि केन्द्र में दो बच्चों सहित 43 लोग भर्ती थे। नौ माह पह आशीष शर्मा ने एग्रीमेंट कर मकान किराए पर लिया था। इस मामले में कलेक्टर न नरहरि ने कहा कि मामले की जांचकर कार्रवाई की जाएगी।